मध्य प्रदेश में सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया में शाखा प्रबंधकों के रिक्त पद

633. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश में सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया की 83 शाखाओं में शाखा प्रबन्धकों के पद एक वर्ष से भी अधिक समय से खाली पड़े हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि बैंक की इन शाखाओं से ग्रामीण लोग ऋण सुविधा का लाभ इसलिये नहीं उठा सके हैं क्योंकि शाखा प्रबन्धकों के बिना ऋण स्वीकृत नहीं किये जा सकते ; और

(ग) क्या सेन्ट्रल बैंक इन शाखाओं को बन्द करने का विचार रखती है; यदि हां, तो क्या इसके लिये भारतीय रिजर्व बैंक से स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) से (ग) सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया द्वारा दी गयी सूचना के अनुसार, मध्य प्रदेश में शाखा प्रबन्धकों के केवल 22 पद ऐसे हैं जो अभी तक नियमित पदधारियों द्वारा नहीं भरे गए हैं । बैंक ने यह भी बताया है कि शाखा प्रबन्धकों की अनुपस्थिति में शाखा का दूसरा अधिकारी शाखा प्रबन्धक के रूप में कार्य करने के लिये प्राधिकृत कर दिया जाता है । स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक ऋण मंजूर करने जैसे मामलों में शाखा प्रबन्धक की शक्तियों का प्रयोग करते हैं । अतः नियमित शाखा प्रबन्धक के न होने पर भी ऋणों की मंजूरी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता । सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया का इनमें से किसी शाखा को बंद करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया की शाखाओं में चपरासियों के रिक्त पद

634. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया की मध्य प्रदेश स्थित शाखाओं में चपरासियों के दो सौ पद पिछले तीन वर्षों से रिक्त पड़े हुए हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) : (क) और (ख) सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया ने बताया है कि दिनांक 31 दिसम्बर, 1985 की स्थिति के अनुसार मध्य प्रदेश में चपरासियों के स्वीकृत पदों की संख्या की तुलना में, 54 पद खाली थे । वर्ष 1986 में, मध्य प्रदेश में, बैंक की शाखाओं में चपरासियों के 30 अतिरिक्त पद मंजूर किये गये हैं । बैंक ने यह भी बताया है कि इन पदों पर भर्ती करने की प्रक्रिया चल रही है ।

Loan Given by the Central Bank of India to Scheduled Castes and Scheduled Tribes

635. SHRI PYARELAL KHANDELWAL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Deputy General Manager of the Central Bank of India, Bhopal has issued instructions to the Branch Managers working under him in Madhya Pradesh that they should neither open accounts of the students belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and backward classes, nor should they provide them the facility of payment of their scholarships; and

(b) what is the amount of loan given at 4 per cent interest rate to the persons belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and backward classes during the last three years in Madhya Pradesh by the Bank and what is its percentage to the total amount of loan disbursed during the said period ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) Central Bank of India has reported that their Deputy General Manager at Bhopal has not issued any general instructions for not opening of accounts or payment of scholarships to the students of SC/ST and backward classes. In a meeting called by Secretary (Tribal Welfare) on 27-3-1986, it was decided that allocation of additional scholarships accounts to different banks should be finalised in the District Consultative Committee meetings chaired by District Collector. However opening of new accounts in few branches was temporarily restricted due to non-receipt of reimbursement of scholarship amount from State Governments and rational distribution of such accounts to all banks operating in the area.

(b) Central Bank of India advances in Madhya Pradesh Zone to SC/ST at 4 per cent interest rate during the last three years and their percentage to total amount was as follows :—

(Amount in Rs lakhs)

Year	Loan amount given	%age to total loan
1983	57·44	47 00
1984	11 63	4.607
1985	4·77	4 425

खाद्य पदार्थों के मूल्य सूचकांक में वृद्धि

636. श्री प्यारेलाल खंडेलवाल : क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि पिछले दो महीनों के दौरान खाद्य पदार्थों के मूल्य सूचकांक में कितनी वृद्धि हुई है ?

योजना मन्त्रालय में राज्य मंत्री और खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ए० के० पांजा) :

चुनी वस्तुओं के थोक मूल्य सूचकांकों में फरवरी–मार्च, 1986 के दौरान आये उतार-चढ़ाव का प्रतिशत

वस्तु	उतार-चढ़ाव का प्रतिशत
चावल	+2.3
गेहूं	+7.8
ज्वार	+1.4
बाजरा	+4.2
जौ	—0.6
मक्का	+5.9
रागी	+1.7
चना	—2.1
अरहर	+2.0
मूंग	+0.9
मसूर	+0.9
उड़द	—0.1
आलू	+12.7
प्याज	—18.7
संतरे	+8.5
केले	+2.3
दूध	+2.0
अण्डे	—26.0
मछली	+6.0
गोश्त	+0.9
काली मिर्च	—0.9
लाल मिर्च	—14.4
हल्दी	—2.3
चाय	—11.3
काफी	—1.2
मैदा	+7.0
आटा	+3.5
सूजी	+3.6
चीनी	+1.5
गुड़	—2.1
वनस्पति	+2.4